PCSMANTRA.COM

शेनज़ेन वार्ता: क्या तीन बड़ी शक्तियाँ दुनिया का भविष्य तय कर सकती हैं?

समाचार-संदर्भ

- **समाचार:** बड़ी शक्तियों के बीच प्रस्तावित संवाद ने वैश्विक स्थिरता और प्रभावित देशों की भागीदारी पर बहस को सामने रखा है।
- प्रिलिम्स: APEC के सदस्य अर्थतंत्र; याल्टा सम्मेलन; New START; NATO की सदस्यता-प्रक्रिया।
- मुख्य परीक्षा: GS-II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध, हथियार नियंत्रण, संप्रभुता और बहुपक्षीय व्यवस्था।



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

चीन के विदेश मंत्रालय के अनुसार, शी चिनफिंग, व्लादिमीर पुतिन और डोनाल्ड ट्रंप की त्रिपक्षीय बैठक 19 नवंबर 2026 को शेनज़ेन में APEC के 33वें आर्थिक नेताओं के सम्मेलन के दौरान निर्धारित है। मंत्रालय ने इसे तीनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों की पहली आमने-सामने की बैठक बताया है। **स्थिति: यह लेख बैठक से पहले की जानकारी पर आधारित है; इसके परिणाम अभी घोषित नहीं हुए हैं।** [1][2][3]

18 नवंबर की अलग द्विपक्षीय बैठक में शी और पुतिन मिल चुके हैं। इसकी पुष्टि चीनी विदेश मंत्रालय की उसी दिन की विज्ञप्ति करती है। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय ने 18-19 नवंबर के पुतिन के दौरे और ट्रंप के साथ अलग द्विपक्षीय बैठक की योजना भी बताई है। [3][4]

क्या एजेंडा तय हो चुका है?

चीन ने विश्व शांति और बड़ी शक्तियों के बीच रणनीतिक स्थिरता को संवाद की व्यापक रूपरेखा बताया है। अमेरिका की सितंबर 2026 की आधिकारिक विज्ञप्ति में अमेरिका-रूस-चीन हथियार-नियंत्रण वार्ता के समर्थन का उल्लेख है। इस पृष्ठभूमि में विश्लेषण का मुख्य प्रश्न है कि क्या राजनीतिक संवाद आगे चलकर स्पष्ट प्रतिबद्धताओं और सत्यापन-व्यवस्था में बदल सकता है। [2][5]

याल्टा 1945 में क्या हुआ था?

4-11 फरवरी 1945 को क्रीमिया के याल्टा में अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट, ब्रिटिश प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल और सोवियत नेता जोसेफ स्टालिन मिले थे। यह द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान मित्र शक्तियों का सम्मेलन था। उसके आधिकारिक वक्तव्य में साझा शत्रु को हराने की सैन्य योजना, जर्मनी पर युद्धोत्तर नियंत्रण और संयुक्त राष्ट्र की स्थापना की तैयारी जैसे विषय दर्ज हैं। [6][7]

शेनज़ेन को याल्टा 2.0 कहना क्यों अधूरा है?

इसलिए 'याल्टा 2.0' की तुलना का उपयोग सीमित है। उपयोगी प्रश्न तीन नेताओं की समान तस्वीर नहीं, बल्कि यह है कि बड़ी शक्तियों की सहमति में उससे प्रभावित देशों की संप्रभुता और भागीदारी को कितनी जगह मिलती है। [6][7][8]

कमरे के बाहर के देश क्यों महत्वपूर्ण हैं?

त्रिपक्षीय प्रारूप से बाहर यूक्रेन, यूरोपीय संघ और भारत जैसे पक्षों के अपने हित हैं। संयुक्त राष्ट्र चार्टर सदस्य देशों की संप्रभु समानता को मान्यता देता है और किसी राज्य की क्षेत्रीय अखंडता या राजनीतिक स्वतंत्रता के विरुद्ध बल की धमकी या प्रयोग पर रोक लगाता है। इसलिए किसी समझौते की स्वीकार्यता का आकलन प्रभावित देशों के अधिकारों और भागीदारी के आधार पर भी होना चाहिए। [1][8]

एक ठोस संस्थागत उदाहरण NATO है। उत्तरी अटलांटिक संधि के अनुच्छेद 10 के अनुसार नए यूरोपीय सदस्य को निमंत्रण सभी पक्षों की सर्वसम्मति से दिया जा सकता है। अमेरिका अकेले NATO सदस्यता सुनिश्चित नहीं कर सकता; चीन या रूस भी किसी त्रिपक्षीय बैठक में इस प्रक्रिया की जगह नहीं ले सकते। [9]

New START के बाद चुनौती

अमेरिका-रूस की New START संधि 5 फरवरी 2026 को समाप्त हुई। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार इससे दोनों देशों के रणनीतिक परमाणु शस्त्रागारों पर बाध्यकारी सीमाओं का ढाँचा समाप्त हुआ। इसे दुनिया की हर परमाणु संधि के समाप्त होने या अप्रसार की पूरी व्यवस्था मिट जाने के समान न समझें। [10]

हथियार नियंत्रण में केवल नेताओं की इच्छा पर्याप्त नहीं होती। मापी जाने वाली सीमाएँ, सूचना का आदान-प्रदान, सत्यापन और अनुपालन जरूरी हैं। हथियार नियंत्रण, परमाणु निरस्त्रीकरण और अप्रसार संबंधित लेकिन अलग अवधारणाएँ हैं।

भारत के लिए मायने

भारत APEC के 21 सदस्य अर्थतंत्रों में शामिल नहीं है। उसके लिए इस वार्ता का महत्व ऊर्जा-सुरक्षा, समुद्री व्यापार, सामरिक स्थिरता और स्वतंत्र विदेश-नीति विकल्पों से जुड़ा है। [11][12][13]

भारत के लिए नीतिगत पृष्ठभूमि भी स्पष्ट है। 11 सितंबर 2026 की PIB विज्ञप्ति में प्रधानमंत्री ने संघर्षों के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति पर जोर दिया था। उसी विज्ञप्ति में पश्चिम एशिया और काला सागर क्षेत्र के संघर्षों से समुद्री व्यापार तथा भारतीय नाविकों की सुरक्षा पर असर का उल्लेख है। [12]

विदेश मंत्रालय के भारत-रूस संबंधों के विवरण में रूस से आयात की प्रमुख वस्तुओं में तेल और पेट्रोलियम उत्पाद शामिल हैं। [13]

आगे की राह

बैठक के बाद चार बातों की जाँच आवश्यक होगी: क्या संयुक्त वक्तव्य जारी हुआ; किन विषयों पर साझा प्रतिबद्धता बनी; उसके क्रियान्वयन और सत्यापन की क्या व्यवस्था है; तथा प्रभावित पक्षों से आगे संवाद कैसे होगा। इन कसौटियों से घोषणा, राजनीतिक सहमति और लागू परिणाम में अंतर स्पष्ट होगा।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न: बड़ी शक्तियों के बीच संवाद वैश्विक स्थिरता के लिए आवश्यक है, लेकिन उसकी वैधता और प्रभावशीलता प्रभावित देशों की भागीदारी पर भी निर्भर करती है। शेनज़ेन त्रिपक्षीय बैठक के संदर्भ में चर्चा कीजिए। (250 शब्द, 15 अंक)

उत्तर की रूपरेखा:

भूमिका में: बड़ी शक्तियों के संवाद और समावेशी वैश्विक व्यवस्था के बीच संबंध स्पष्ट करें।

मुख्य भाग में: संवाद से गलत आकलन और सामरिक जोखिम घटने की संभावनाएँ; याल्टा की तुलना की सीमाएँ; संप्रभुता, संस्थागत प्रक्रियाएँ और प्रभावित देशों की भूमिका; तथा भारत के स्वतंत्र विदेश-नीति विकल्पों का विश्लेषण करें।

निष्कर्ष में: समझौते की सफलता को उसकी समावेशिता, सत्यापन और क्रियान्वयन से जोड़ें।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

New START पर हस्ताक्षर कब और कहाँ हुए थे?

इस संधि पर 8 अप्रैल 2010 को प्राग में हस्ताक्षर हुए थे। यह 5 फरवरी 2011 को लागू हुई थी। [14]

याल्टा के वक्तव्य में संयुक्त राष्ट्र चार्टर तैयार करने के लिए कौन-सा सम्मेलन बुलाने पर सहमति हुई थी?

25 अप्रैल 1945 को सैन फ्रांसिस्को में सम्मेलन बुलाने पर सहमति हुई थी। [7]

NATO में शामिल होने का औपचारिक दस्तावेज किस सरकार के पास जमा किया जाता है?

अनुच्छेद 10 के अनुसार आमंत्रित राज्य अपना अधिमिलन-पत्र (instrument of accession) अमेरिका की सरकार के पास जमा करता है। [9]

स्रोत

- [1] https://www.fmprc.gov.cn/mfa_eng/xw/wsrc/202611/t20261116_12059663.html
- [2] https://www.fmprc.gov.cn/mfa%5Feng/xw/fyrbt/202611/t20261116_12060306.html
- [3] http://en.kremlin.ru/events/president/news/81268
- [4] https://www.fmprc.gov.cn/eng/xw/zyxw/202611/t20261118_12062204.html
- [5] https://www.whitehouse.gov/fact-sheets/2026/09/fact-sheet-president-donald-j-trump-advances-a-fair-and-reciprocal-relationship-with-china-while-hosting-historic-state-visit/
- [6] https://history.state.gov/milestones/1937-1945/yalta-conf
- [7] https://history.state.gov/historicaldocuments/frus1945Malta/d500
- [8] https://www.un.org/en/about-us/un-charter/chapter-1
- [9] https://www.nato.int/en/about-us/official-texts-and-resources/official-texts/1949/04/04/the-north-atlantic-treaty
- [10] https://press.un.org/en/2026/db260205.doc.htm
- [11] https://www.apec.org/who-we-are/our-members
- [12] https://www.pib.gov.in/PressReleseDetailm.aspx?PRID=2309208&lang=1&reg=3&utm=
- [13] https://www.mea.gov.in/Portal/ForeignRelation/India-Russia0726.pdf
- [14] https://www.state.gov/11-205

PCSMANTRA.COM